हिंदी दैनिक

न्यूज़ वायरस

वर्ष : 12 अंक : 54 देहरादून, बृहस्पतिवार, 17 अगस्त, 2023 मूल्य : एक रुपया पृष्ठ : 08

डीएम सोनिका की अध्यक्षता में हुई चिकित्सा प्रबन्धन समिति, राजकीय सेन्ट मैरीज चिकित्सालय मसूरी की बैठक आयोजित 3

मुख्य सचिव डॉ.एस.एस. संधु ने की वन एवं पशुपालन विभाग के अधिकारियों संग विभिन्न विषयों पर चर्चा

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून। मुख्य सचिव डॉ.एस.एस. संधु ने बुधवार को सचिवालय में वन एवं पशुपालन विभाग के अधिकारियों के साथ विभिन्न विषयों पर चर्चा की। मुख्य सचिव ने कहा कि बन्दरों और जंगली सुअरों के द्वारा प्रदेश में खेती को अत्यधिक नुकसान हो रहा है। इसके लिए बन्दरों की संख्या को सीमित करने हेतु बन्दरों का बन्ध्याकरण किया जाए।

मुख्य सचिव ने निर्देश दिए कि बन्दरों के बन्ध्याकरण के लिए बन्दर बन्ध्याकरण केंद्रों की संख्या बढ़ायी जाए। इसके लिए पशुपालन विभाग द्वारा पशुचिकित्सकों एवं अन्य सहायक स्टाफ की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। मुख्य सचिव ने फसलों को जंगली सुअरों से होने वाले नुकसान की रोकथाम के लिए भी योजना तैयार किए जाने के निर्देश दिए। कहा कि दूरस्थ पर्वतीय क्षेत्रों में लोगों को खेती के लिए प्रोत्साहित करने के लिए बंदरों और जंगली सुअरों से होने वाले नुकसान को कम करना होगा।

इस अवसर पर मुख्य सचिव ने पिरूल से ईंधन के रूप में प्रयोग होने वाले पैलेट्स तैयार करने और ईको पार्क योजना की प्रगति की जानकारी भी ली। उन्होंने अधिकारियों को योजनाओं की निरन्तर मॉनिटरिंग करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर प्रमुख सचिव श्री आर.के. सुधांशु, वन विभाग प्रमुख (हॉफ) श्री अनूप मलिक एवं सचिव पशुपालन डॉ.बी.वी.आर.सी. पुरूषोत्तम सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

वैचारिक नेतृत्व के लिए हमेशा याद रहेंगे अटल: राज्यलक्ष्मी शाह

देहरादून। भाजपा नेताओं ने पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी को उनकी पांचवी पुण्य तिथि पर श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर टिहरी सांसद राज्यलक्ष्मी शाह ने कहा कि अटल बिहारी वाजपेयी वैचारिक नेतृत्व के लिए हमेशा याद किए जाएंगे। बुधवार को भाजपा प्रदेश कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम के दौरान पूर्व प्रधानमंत्री का भावपूर्ण स्मरण किया गया। वक्ताओं ने इस दौरान पार्टी की नींव रखने से लेकर विचारधारा आधारित संगठन की बुलंद इमारत खड़ा करने के लिए उन्हें याद किया। उन्होंने कहा कि तीन बार पीएम और 12 बार सांसद बने वाजपेयी राजनैतिक सफलता के साथ वैचारिक नेतृत्व के लिए देश में सदैव अटल रहेंगे। इस अवसर पर विधायक सविता कपूर, उमेश शर्मा काऊ, प्रदेश कोषाध्यक्ष पुनीत मित्तल, देवेंद्र भसीन, अनिल गोयल, विश्वास डाबर, रजनी कुकरेती, विनोद सुयाल, विपिन कैंथोला, मधु भट्ट, राजेंद्र नेगी, मानिक निधि शर्मा, सुभाष बड़थ्वाल, अनूप रावत आदि मौजूद रहे।

यूपीसीएल ने शहीदों के परिजनों का किया सम्मान

देहरादून। यूपीसीएल ने वर्ष 1962 युद्ध के शहीदों के परिजनों का सम्मान किया। इसके साथ ही यूपीसीएल के 91 कर्मचारियों को भी उत्कृष्ट कार्य करने पर सम्मानित किया गया। स्वतंत्रता दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में यूपीसीएल मुख्यालय में सम्मान समारोह आयोजित किया गया। मेरी माटी मेरा देश के तहत विशेष अतिथि के रूप में 1962 के चीन युद्ध के नायक स्वर्गीय श्याम लाल की पत्नी लक्ष्मी देवी और पुत्र सुबेदार जगमोहन को आमंत्रित किया। उनके साथ ही 2003 में कश्मीर में देश की रक्षा में अपने प्राणों का सर्वोच्च बलिदान देने वाले सुबेदार प्रदीप थापा की पत्नी सीमा थापा का भी सम्मान किया गया।

एमडी अनिल कुमार ने कहा कि देश के लिए बलिदान देने वाले इन वीर सपूतों के कारण ही आज हम सुरक्षित हैं। इन शहीदों की शहादत को याद रखना हम सभी की जिम्मेदारी है। कहा कि यूपीसीएल के कर्मचारी, इंजीनियर भी लगातार हर विषम परिस्थिति में अपना शत प्रतिशत योगदान दे रहे हैं। किसी भी आपदा की परिस्थिति में समय पर बिजली सप्लाई को सुचारु बना कर रखा जाता है। इन्हीं की बदौलत आज देश भर के ऊर्जा निगमों में यूपीसीएल को ए श्रेणी का दर्जा प्राप्त हुआ है। इस अवसर पर कर्मचारियों को भी सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में निदेशक एनके गुप्ता, अजय अग्रवाल, एमएल प्रसाद, आरजे मलिक, सतीश चंद्र आदि मौजूद रहे।

सीएम धामी ने की पूर्व प्रधानमंत्री स्व. अटल बिहारी वाजपेयी की पुण्य तिथि पर श्रद्धांजलि अर्पित

देहरादून। मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी ने पूर्व प्रधानमंत्री स्व. श्री अटल बिहारी वाजपेयी जी की पुण्य तिथि पर मुख्यमंत्री आवास में उनके चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि दी।

उत्तराखंड में 20 अगस्त तक का मौसम अलर्ट जारी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

उत्तराखंड 17 अगस्त : उत्तराखंड इन दिनों कुदरत के कहर का सामना कर रहा है। भारी बारिश के चलते जगह-जगह तबाही मच रही है, हालांकि आने वाले कुछ दिन राहतभरे रह सकते हैं। अगस्त तक मौसम में उतार-चढ़ाव देखने को मिलेगा। इस दौरान कई जगह मौसम साफ रह सकता है। बीते दिन, टिहरी गढ़वाल, देहरादून, पौड़ी गढ़वाल, पिथौरागढ़, बागेश्वर और नैनीताल जिले के लिए येलो अलर्ट जारी किया गया है। अन्य 7 जिलों में मौसम साफ रहेगा। 17 अगस्त को टिहरी गढ़वाल, देहरादून, पौड़ी गढ़वाल, पिथौरागढ़, बागेश्वर, चंपावत और नैनीताल जिले के लिए येलो अलर्ट जारी है। 18 अगस्त को भारी बारिश से टिहरी, देहरादून, पौड़ी, पिथौरागढ़, बागेश्वर, अल्मोड़ा, चंपावत और नैनीताल जिले की मुश्किलें बढ़ेंगी।

इसी तरह 19 अगस्त को चमोली, टिहरी, देहरादून, पौड़ी गढ़वाल, पिथौरागढ़, बागेश्वर, अल्मोड़ा, चंपावत, नैनीताल के लिए येलो अलर्ट जारी किया गया है। 20 अगस्त को प्रदेश के सभी

सांकेतिक चित्र

जिलों के लिए भारी बारिश का येलो अलर्ट जारी किया गया है। इस दौरान उत्तरकाशी, चमोली, रुद्रप्रयाग, टिहरी, पौड़ी, देहरादून, पिथौरागढ़, बागेश्वर , अल्मोड़ा, चंपावत, नैनीताल, ऊधमसिंहनगर और हरिद्वार में भारी बारिश हो सकती है। संवेदनशील इलाकों में कहीं-कहीं भूस्खलन या चट्टान गिरने की घटनाएं सामने आ सकती हैं। निचले इलाकों में जलभराव से मुश्किलें बढ़ेंगी। छोटी-नदी नालों के समीप रहने वालों को सावधान रहने की जरूरत है। आकाशीय बिजली चमकने के दौरान पेड़ों के नीचे शरण न लें। बिजली का संचालन करने वाली सभी चीजों से दूर रहें। राज्य सरकार के अधिकारियों को लोगों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए जरूरी कार्रवाई करने की सलाह दी गई है। पहाड़ों की यात्रा करने वालों को खासतौर पर सावधान रहना होगा। खराब मौसम में जितना संभव हो यात्रा करने से बचें।

यहां मुर्दों को भी देना पड़ता है 'किराया', रेंट देने में हो जाए देरी तो कब्र से बाहर निकाल देते हैं शव

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 17 अगस्त : मौत के बाद कब्र ही सबसे सुकून की जगह होती है, ये लाइन आपने भी तो खूब सुनी होगी. लेकिन अगर आपसे कहा जाए कि कब्र में दफन मुर्दों को भी सुकून नहीं, उन्हें भी कब्रिस्तान में दफन रहने के लिए किराया भरना पड़ता है तो यह आपको जानकर हैरानी होगी. हालांकि यह सच है.

दरअसल, अपनी खूबसूरती के लिए मशहूर रहा मध्य अमेरिकन देश ग्वाटेमाला में ऐसा होता है. जहां जगह की कमी के चलते कई बहुमंजिला कब्रिस्तान में बनाई गई हैं. यहां बहुमंजिला कब्रिस्तानों में कब्र के लिए हर माह शव के परिजनों को किराया भरना पड़ता है. अगर किसी रिश्तेदार की कब्र का मालिक एक महीने का किराया देने में समर्थ नहीं है, तो शव को उस कब्र से निकालकर सामूहिक कब्र में रख दिया जाता है. उसकी जगह दूसरे शव को कब्र में दफना दिया जाता है. इन कब्रों का किराया भी काफी महंगा है.

सिर्फ इतना ही नहीं, कब्रिस्तान में आपको कई ऐसे नजारे दिख जाएंगे. जैसे किराया न भरने के चलते कुछ शवों को कब्र से बाहर निकाल दिया गया. कई शव तो खड़े जैसे दिखते हैं जैसे इंतजार कर रहे हैं अपनी दो गज जमीन का दरअसल ग्वाटेमाला में जगह की कमी के चलते बहुमंजिला कब्रिस्तान का चलन है, जहां एक कब्र के ऊपर ही दूसरी कब्र बना दी जाती है. यहां लोग जीते जी अपनी कब्र के किराये का इंतजाम करते हैं, जबकि गरीब लोगों के लिए ये बहुत मुश्किल होता है. कब्रिस्तान में कुछ बाहर निकली हुई लाशें और कई मृत शरीर बैठे और खड़े भी दिखाई देते हैं.प्रशासन का कहना है कि ज्यादा आबादी और कम जगह होने के चलते ऐसे नियम बनाने की मजबूरी है. प्रशासन ने हर शहर के बाहर एक सामूहिक ग्राउंड बनाया है जहां हर साल उन शवों को दफनाया जाता है जिनके परिजन समय पर किराया नहीं भर पाते.

इस रेस्टोरेंट में अजीबोगरीब नियम, 90 मिनट में खाना खत्म कर बाहर निकलना होगा, वरना ?

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 17 अगस्त : अगर रेस्टोरेंट में बैठकर आपको भी समय बिताना पसंद है तो यह खबर आपके लिए है. ऐसा इसलिए क्योंकि अमेरिका के रेस्टोरेंट में बैठकर खाने का समय तय कर दिया है. यहां ग्राहकों को 90 मिनट दे रहे हैं और उसके बाद उन्हें दोबारा ऑर्डर करने की अनुमति ही नहीं है. हालांकि रेस्टोरेंट के इस नियम का जमकर विरोध भी हो रहा है.

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, अमेरिका के न्यूयॉर्क में मौजूद रेस्टोरेंट्स अपने विचित्र नियम के लिए चर्चा का विषय बना हुआ है. यहां चाइना टाउन इलाके में Ye's Apothecary नाम का एक रेस्टोरेंट है, जिसे रेस्टोरेंट्स में घंटों बैठकर बातें करने या खाने की फोटो लेना पसंद नहीं है. इसी

वजह से इस रेस्टोरेंट ने नए नियम लागू किए हैं.

इस विचित्र नियम को लेकर 33 साल की क्रिस्टीना इजो ने न्यूयॉर्क पोस्ट को बताया कि 90 मिनट का रूल बेहद ही अजीब है. अपने अनुभव को लेकर उन्होंने बताया कि 90 मिनट बाद जब उन्होंने कुछ और ऑर्डर करने के लिए मेन्यू कार्ड मांगा तो उन्हें मना कर दिया गया. यह कहते हुए कि आपने अपनी तय समय सीमा पूरा कर ली है. अब आप ऑर्डर नहीं कर सकते. अब उन्हें दूसरे ग्राहकों के लिए टेबल छोड़ना पड़ेगा. क्रिस्टीना इजो ने बताया कि हमें उस वक्त बेहद शर्मिंदगी महसूस हुई. हमें ऐसा महसूस हुआ कि भगाया जा रहा है.

उन्होंने आगे कहा कि इस तरह के नियम सिर्फ एक रेस्टोरेंट में ही लागू नहीं किए गए हैं. टाइम लिमिट वाली समस्या का सामना उन्होंने और जगहों पर भी किया .कुछ इसी तरह का अनुभव 35 वर्षीय विज्ञापन कर्मचारी रिवेरा हक का रहा जब वह अपने आठ दोस्तों के साथ पार्टी करने एक प्रतिष्ठित रेस्टोरेंट में गई थीं उन्हें उनके साथियों के साथ टेबल खाली करने को कह दिया गया.

रिपोर्ट के अनुसार, कोरोना काल के दौरान सोशल डिस्टेंसिंग को मेंटेन करने के लिए ग्राहकों को जगह छोड़-छोड़कर बैठने के लिए नियम बनाया गया था. इसी दौरान रेस्टोरेंट में अधिक समय तक नहीं बैठने के नियम बनाए गए थे. छोटे रेस्टोरेंट्स को टाइम लिमिट वाला आइडिया रास आ गया. इसे अभी भी लागू किया जा रहा है. इन नियम की वजह से ग्राहक ज्यादा देर रेस्टोरेंट में ना रुकें. कोविड में हुए नुकसान से निपटने के लिए रेस्टोरेंट्स फिर से वही फार्मूला अपना रहे हैं जिससे वो ज्यादा से ज्यादा ग्राहकों को बैठाकर ज्यादा प्रॉफिट कमा सकें

आपके सोने की स्थिति आपके स्वास्थ्य को कैसे प्रभावित कर सकती है, पढ़िए

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 17 अगस्त : हर व्यक्ति की आदत होती है कि वह बहुत ही खास और अनोखे तरीके से सो जाता है। हम में से कुछ को मुलायम तकिए पसंद होते हैं, दूसरों को मोटे, भारी कंबल पसंद होते हैं। वही हमारे सोने के तरीके के लिए कहा जाता है – चाहे हम अपनी पीठ के बल सोना पसंद करते हों या भ्रूण की स्थिति में मुड़े हुए हों। यह अजीब लग सकता है, लेकिन ये बहुत कुछ इस बात से संबंधित हैं कि हम सामान्य रूप से कितने स्वस्थ हैं! यह जानने के लिए पढ़ते रहें कि आपकी नींद की आदतें आपके व्यक्तिगत स्वास्थ्य के बारे में क्या कहती हैं!

हमें रिचार्ज करने और लंबे दिन के बाद आराम करने के लिए नींद की जरूरत है यह आपके फोन की बैटरी चार्ज करने जैसा है। लेकिन अच्छी नींद सोते समय भी एक स्वस्थ मुद्रा पर निर्भर करती है! नींद शरीर में कई महत्वपूर्ण कार्यों को बहाल करने में मदद करती है, जैसे कि सेल टर्नओवर, मनोवैज्ञानिक समस्याएं जिनसे हम निपट

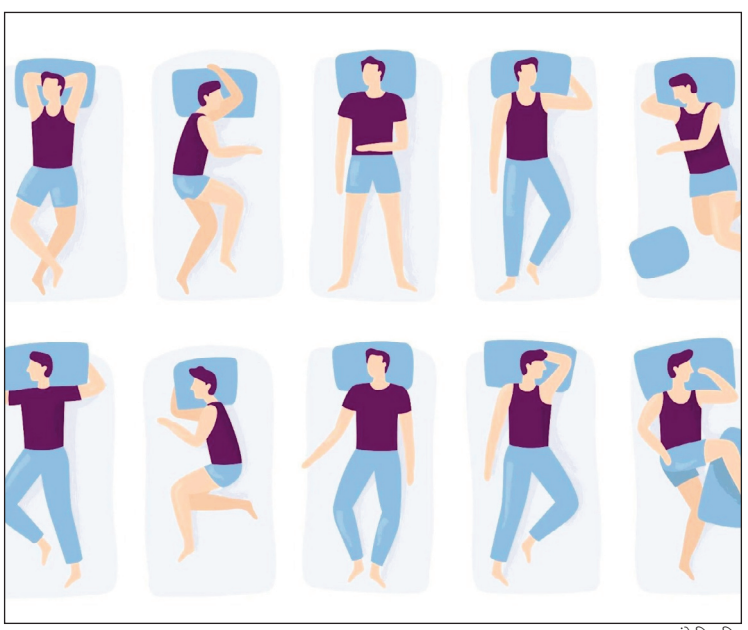

सांकेतिक चित्र

सकते हैं और डिटॉक्सिफिकेशन, कुछ का नाम लेने के लिए। एक अच्छी रात के आराम के बाद, एक नया दिन शुरू करना बेहतर लगता है। जबकि कुछ के लिए सोना आसान है, अन्य लोगों के लिए लंबे समय तक आराम करना बेहद कठिन हो सकता है। यह सोने की मुद्रा से संबंधित हो सकता है, विश्वास करें या नहीं!

मरीज की पूरी बात सुने बिना ही डॉक्टर सलाह देते है तो हो जाएं सतर्क

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 17 अगस्त : कई बार ऐसा होता है कि आपकी तबीयत खराब है और जब डॉक्टर के पास जाते हैं, तो वह आपकी पूरी बात सुने बिना ही सलाह देकर टाल देता है। एक मरीज या पीड़ित की पूरी बात सुने बिना ही डॉक्टर की ऐसी सलाह देने के मामले महिलाओं के साथ कुछ ज्यादा ही होते हैं। डॉक्टर्स के इस बर्ताव को मेडिकल गैसलाइटिंग कहा जाता है। कई बार मरीज मेडिकल गैसलाइटिंग के शिकार होते हैं। अमेरिका के पोर्टलैंड की 39 वर्षीय क्रिस्टीना कैरोन मेडिकल गैसलाइटिंग की शिकार हो चुकी हैं। डॉक्टर्स का मरीजों की समस्याओं को नजरअंदाज करना, उनकी बीमारी और लक्षणों के लिए मनोवैज्ञानिक वजहों को जिम्मेदार बताया या फिर उनकी बीमारी को सिरे से खारिज कर देना भी मेडिकल गैसलाइटिंग है। इससे बचने के लिए जरूरी है कि बतौर मरीज सेकंड ओपिनियन लेना चाहिए। यानी, दूसरे डॉक्टर या अस्पताल में जाना चाहिए। न्यूयॉर्क टाइम्स को मेडिकल गैसलाइटिंग से जुड़े एक लेख पर 2,800 कमेंट्स मिले। कई स्टडी से पता चला है कि पुरुषों की तुलना में महिलाओं को बीमारी में गलत इलाज की संभावनाएं ज्यादा हैं। मेडिकल गैसलाइटिंग एक असल समस्या है। मरीजों को खासतौर पर महिलाओं को इससे सचेत रहना चाहिए। डॉक्टर आपकी बात ध्यान से नहीं सुनते और बात पूरी होने से पहले ही सलाह दे देते हैं। मरीज के लक्षणों पर चर्चा नहीं करते। समस्याओं और लक्षणों को महत्व नहीं देते। दर्द न होने पर रोग के लक्षणों को नजरअंदाज करना।बीमारी के लक्षणों के लिए मानसिक बीमारी/मानसिक अवस्था को जिम्मेदार बताना।किसी तरह के मेडिकल टेस्ट की सलाह नहीं देना। डायरी में अपने लक्षणों को लिखें। क्या परेशानी होती है, किस तरह का दर्द होता है, आपके ट्रिगर पॉइंट क्या हैं, क्या ये परेशानी हमेशा बनी रहती है या किसी खास तरह के वातावरण में आपको इन दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। इन सभी सवालों के जवाब डायरी में दर्ज करें। इसके साथ ही अपनी पुरानी मेडिकल रिपोर्ट, दवाई और परिवार की मेडिकल हिस्ट्री का ब्यौरा साथ रखें।

डीएम सोनिका की अध्यक्षता में हुई चिकित्सा प्रबन्धन समिति, राजकीय सेन्ट मैरीज चिकित्सालय मसूरी की बैठक आयोजित

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून। जिलाधिकारी श्रीमती सोनिका की अध्यक्षता में चिकित्सा प्रबन्धन समिति, राजकीय सेन्ट मैरीज चिकित्सालय मसूरी की बैठक जिलाधिकारी कैम्प कार्यालय में आयोजित की गई। जिलाधिकारी ने चिकित्सालय में मरीजों एवं उनके तिमारदारों के लिए उचित व्यवस्थाएं के साथ ही चिकित्सालय में पार्किंग सहित अन्य मूलभूत सुविधाएं/व्यवस्थाएं बनाने के भी निर्देश दिए।

बैठक में समिति द्वारा चिकित्सालय की सफाई व्यवस्था हेतु दैनिक वेतन भोगी सफाई कर्मचारी रखने तथा चिकित्सालय में धुलाई व्यवस्था हेतु रखे गए कार्मिक/धोबी के पारिश्रमिक में धनराशि बढ़ाने तथा चिकित्सालय में शल्य कक्ष, लेबर रूम एवं आईसीयू में 3 एयर काटेन तथा 3 एयर प्यूरी फायर लगाने की अनुमति प्रदान की गई। जिलाधिकारी ने चिकित्सालय में बढ़ाई जा रही व्यवस्था एवं उपकरण आदि के संबंध में विस्तृत विवरण प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। बैठक में मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ0 संजय जैन, प्रमुख चिकित्सा अधीक्षक राजकीय सेन्ट मैरीज चिकित्सालय मसूरी डॉ0 यतिन्द्र सिंह, उपकोषाधिकारी सुरेन्द्र दत्त थपलियाल, सामाजिक कार्यकर्ता सुदीप ढौंडियाल सहित संबंधित कार्मिक उपस्थित रहे।

जर्मनी उत्तराखंड में आर्गेनिक खेती समेत कई क्षेत्रों में बढ़ाएगा निवेश

देहरादून। कृषि मंत्री गणेश जोशी के साथ मुलाकात में जर्मन सांसदों के प्रतिनिधिमंडल ने उत्तराखंड में निवेश को लेकर दिलचस्पी दिखाई। कैंट रोड स्थित सरकारी आवास में जर्मन प्रतिनिधिमंडल के साथ मुलाकात में जर्मनी के सांसद जुगन हाइट, स्पीकर फ्रेंज ऐवर मेऊरर, डायरेक्टर डॉ. ऐड्रिन हैक, कोर्नड ऐड्यूनर को कृषि मंत्री ने पहाड़ी टोपी पहनाई। जैविक उत्पाद भेंट कर उनका स्वागत किया। इस मुलाकात में भारत जर्मनी के औद्योगिक संबंध को बढ़ाने पर चर्चा हुई। उत्तराखंड में निवेश लाने को कैसे साथ साथ काम किया जाए, इस पर फोकस किया गया। इसके अलावा ऑर्गेनिक फार्मिंग, फूड प्रोसेसिंग समेत अन्य उद्योगों में सहयोग तथा उत्तराखंड को कृषि के क्षेत्र में कैसे विश्वास स्तरीय पहचान दिलाई जाए, इस पर भी जोर दिया गया। मंत्री गणेश जोशी ने कहा जर्मनी उत्तराखंड में आयोजित होने वाले इन्वेस्टर्स समिट में भी बढ़ चढ़ कर भाग लेगा। श्री अन्न मिलेट्स और मोटे अनाज को विश्व स्तरीय पहचान दिलाने की दिशा में भी काम करेगा। कहा कि उत्तराखंड के जैविक उत्पादों को विश्व स्तर तक ले जाने के लक्ष्य को लेकर राज्य सरकार पूरी प्रतिबद्धता के साथ काम कर रही है। सितंबर में जर्मनी के डेलीगेट्स के साथ एक कार्यशाला भी होगी। इसमे कृषि से संबंधित विषयों पर चर्चा होगी। हमारी कोशिश है कि उत्तराखंड के उत्पाद को अंतर्राष्ट्रीय पहचान मिले, इस दिशा में निरंतर प्रयास किया जा रहा है। इस अवसर पर कृषि सचिव दीपेंद्र चौधरी, अपर निदेशक केसी पाठक, जैविक बोर्ड के एमडी विनय कुमार, उपनल के एमडी बिग्रेडियर जेएनएस बिष्ट, भाजयुमो राष्टीय उपाध्यक्ष नेहा जोशी उपस्थित रही।

आजादी के अमृत महोत्सव के तहत लगाई प्रदर्शनी

देहरादून। आजादी का अमृत महोत्सव के तहत भारतीय सैन्य अकादमी और संस्कृति विभाग चित्रकला प्रदर्शनी का आयोजन किया। हिमालय सांस्कृतिक केंद्र नींबूवाला गढ़ीकैंट में यह प्रदर्शनी 20 अगस्त तक चलेगी। प्रदर्शनी का शुभारंभ संस्कृति विभाग के सचिव हरिश्चंद्र सेमवाल ने किया। इस दौरान संस्कृति विभाग की निदेशक बीना भट्ट, भारतीय सैन्य अकादमी के ग्रुप कैप्टन प्रणव शिदगे समेत आईएमए के जेंटलमैन कैडिट और अन्य अधिकारी मौजूद रहे। निदेशक बीना भट्ट ने बताया कि इस चित्रकला प्रदर्शनी में लगाई गई सभी पेंटिंग भारतीय सैन्य अकादमी के जेंटलमैन कैडिट की ओर से तैयार की गई है। बताया कि आजादी के अमृत महोत्सव के समय-समय पर कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता जा रहा है। प्रदर्शनी में लगभग 54 पेंटिंग प्रदर्शित की गई है। कैडेट्स ने सभी पेंटिंग पर कई अभिव्यक्तियों को कैनवास पर उतारा है।

सफलता की सीढ़ियां चढ़ती हरिद्वार पुलिस बरामद किए चोरी के 5 दोपहिया वाहन

- नशे के आगोश में आकर अपराध जगत में दाखिल 02 अभियुक्त आए गिरफ्त में
- सिलसिलेवार पूछताछ के बाद रानीपुर पुलिस ने बरामद किए चोरी के 05 दोपहिया वाहन

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

हरिद्वार 17 अगस्त : 14.08.2023 को गढ़ मीरपुर रानीपुर निवासी गुल सनव्वर ने कोतवाली रानीपुर में शिकायत देकर बताया कि घर के बाहर से उसकी मो0सा0 स्प्लेंडर प्लस किसी अज्ञात व्यक्ति ने चुरा ली है। शिकायत के आधार पर कोतवाली रानीपुर में मु0अ0सं0 358/23 धारा 379 भादवि बनाम अज्ञात पंजीकृत किया गया। मुकदमे से संबंधित वाहन व अभियुक्तों की तलाश में जुटी रानीपुर पुलिस द्वारा मैन्युअली पुलिसिंग व गुप्तचर तंत्र का प्रयोग करते हुए बड़ी सूझबूझ के साथ चेकिंग अभियान चलाकर सुमन नगर क्षेत्र से दि० 15.08.2023 को अभियुक्त व अमित को चोरी गयी मोटर साइकिल के साथ दबोचा। पड़ताल के दौरान अभियुक्तों के नशे के फेर में फंसने तथा इस शौक को पूरा करने के लिए साथ मिलकर दोपहिया वाहन चोरी करने की जानकारी मिली। अभियुक्तों की निशानदेही पर सुमन नगर नदी किनारे झाड़ियों से अन्य 03 मोटर साइकिल व 01 स्कूटी बरामद करने में भी पुलिस टीम को सफलता मिली। बरामद वाहनों में एक के सम्बन्ध में थाना बहादराबाद में मुकदमा पंजीकृत है। शेष की जानकारी की जा रही है। अभियुक्तों को माल के साथ माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया जा रहा है।

नाम पता अभियुक्त-

(1) विशाल पुत्र शरण दास निवासी अतमलपुर बौगला थाना बहादराबाद

(2) अमित S/O अमर पालR/O अतमलपुर बीगला थाना बहादराबाद

जानें कितना खतरनाक है आपका मोबाइल ?

साभार - सो.मी.

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 17 अगस्त , आज के वक्त में स्मार्टफोन इस्तेमाल की अति हो रही है, जो आपको बीमार बना रहा है। जैसे परमाणु बम का साइज इफेक्ट आज भी हिरोसिमा और नागाशाकी के बच्चों में देखा जाता है। ऐसे ही स्मार्टफोन के साइज इफेक्ट हैं, जो आपके बच्चों की मानसिक, शारीरिक तौर पर नुकसान पहुंचा रहे हैं। इसका असर बच्चों की पूरी जिंदगी पर देखने को मिलता है।

बच्चों की सेहत पर स्मार्टफोन का बुरा असर

इंडियन स्पीच एंड हियरिंग एसोसिएशन यानी ISHA ने हेल्थ पॉर्लियामेंट के साथ मिलकर एक डोर टू डोर सर्वे किया है। इसमें दिल्ली एनसीआर और जम्मू और कश्मीर को शामिल किया गया है। इस सर्वे रिपोर्ट से खुलासा हुआ है कि स्मार्टफोन के जरूरत से ज्यादा इस्तेमाल की वजह से बच्चों में सुनने का डिसऑर्डर हो रहा है। संक्षेप में कहें, तो आपके बच्चे में बहरापन की बीमारी तेजी से बढ़ रही है। आमतौर पर हर उम्र के लोगों में साउंड डिसऑर्डर की समस्या देखी जा रही है। लेकिन खासतौर पर बच्चों में इसके ज्यादा तेजी से फैलने के प्रमाण मिल रहे हैं।

ये हैं डिसआर्डर की वजह

रिपोर्ट की मानें, तो दिल्ली के 6 से 12 साल के 42.4 फीसद बच्चे इस बीमारी का शिकार बन रहे हैं। वही 13 से 18 साल के 31.1 फीसद बच्चों में साउंड डिसऑर्डर देखा जा रहा है। वही जीरो से 5 साल के बच्चों में स्मार्टफोन के इस्तेमाल की वजह से लैंग्वेज डिसआर्डर देखा जा रहा है।यह डिसआर्ड 0-5 साल के 69 फीसद बच्चों में देखा गया है। जबकि 13 से 18 साल के 48.2 फीसद बच्चों में डिसऑर्डर देखने को मिल रहा है। वही 19 से 25 साल के बच्चों में वॉइस डिसऑर्डर की समस्या 117 फीसद है, जबकि 13 से 18 साल के बच्चों में आंकड़ा 11.6 फीसद है।

आप का फोन हो सकता है हैक पढ़िए सरकार का अलर्ट

साभार - गूगल

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 17 अगस्त , स्मार्टफोन आजकल सिर्फ कॉलिंग और मैसेज तक सीमित नहीं रह गया. अब मोबाइल पर बैंकिंग से लेकर संवेदनशील जानकारी होती है, जिसके हैक होने पर बड़ा नुकसान हो सकता है. हैकर्स इन वल्नरबिलिटी का इस्तेमाल करके यूजर्स के फोन में खतरनाक ऐप्स इंस्टॉल करने से लेकर बैंक पासवर्ड या डिटेल्स तक चोरी कर सकते हैं. दरअसल, सरकारी एजेंसी कंप्यूटर इमरजेंसी रिस्पोंस टीम (CERT-In) ने मोबाइल यूजर्स के लिए एक वॉर्निंग जारी की. इसमें एंड्रॉयड OS पर काम करने वालों को सावधान रहने को कहा है, क्योंकि इन कमजोरियों का इस्तेमाल करके हैकर्स मोबाइल यूजर्स को कंगाल तक कर सकते हैं.

जारी वॉर्निंग में बताया है कि एंड्रॉयड ऑपरेटिंग सिस्टम (Android OS) में कई कमजोरियां स्पॉट की हैं, जिनका फायदा हैकर्स उठा सकते हैं. यह एक तरह के सिक्योरिटी लूप होल हैं, जिनसे हैकर्स फोन तक पहुंच सकते हैं. इसमें हाल ही में लॉन्च हुआ Android 13 भी शामिल है. जानकारी के मुताबिक, ये कमजोरियां हैकर्स को डिवाइस का एक्सेस तक दे सकती है, जिससे यूजर्स का संवेदनशील डेटा तक चोरी हो सकता है. साथ ही फोन चलाने में परेशानियों का भी सामना करना पड़ सकता है. CERT-In के मुताबिक, Android वर्जन 10, 11, 12, 12L और 13 पर कई कमजोरियों को स्पॉट किया. ये कमजोरियां फ्रेमवर्क, एंड्रॉयड रन टाइम, सिस्टम कंपोनेंट, गूगल प्ले सिस्टम के कारण पैदा हुई हैं और उनका फायदा हैकर्स उठा सकते हैं.

सचिव दीपक कुमार ने अपनी कार्यशैली से राज्यपाल को कुछ यूं किया प्रभावित और लूट ली वाहवाही

मुख्यमंत्री और मंत्रियों के निरीक्षण, जनसंवाद व जन चौपाल से राज्यपाल हुए प्रभावित

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 17 अगस्त , उत्तराखंड के राज्यपाल के साथ औपचारिक मुलाक़ात में कार्यक्रम क्रियान्वयन विभाग, उत्तराखण्ड के सचिव दीपक कुमार ने शासन के कार्यो का संक्षिप्त विवरण प्रस्तुत किया। राज्यपाल द्वारा मुख्यमन्त्री धामी द्वारा दिये गये दिशा निर्देशों के तहत धरातल पर किये जा रहे निरीक्षणों को अत्यधिक सराहा चाहे वो जिले व मंडल के अधिकारियों द्वारा निरीक्षण हो चाहे सचिव गणों द्वारा। परंतु सबसे ज्यादा राज्यपाल जिससे प्रभावित हुए, वो है मुख्यमंत्री के निर्देश पर शासन के विशेष कार्याधिकारियों द्वारा सतही निरीक्षण, जनसंवाद एवं मुख्यमंत्री व मंत्रीगणों द्वारा निरीक्षण व जनसंवाद व जन चौपाल।

राज्यपाल द्वारा पूछे जाने पर जब सचिव द्वारा यह बताया गया कि अद्यतन 19 रिपोर्ट्स मंत्रीगण ,का क्रि विभाग को प्रेषित कर चुके हैं व उन पर कार्यवाही भी की जा चुकी है, तो राज्यपाल ने अत्यधिक प्रसन्नता व्यक्त की।राज्यपाल ने बताया कि मुख्यमंत्री की ही भान्ति वह भी उत्तराखंड के समस्त सीमान्त जिलों के दुर्गम स्थानों के साथ साथ समस्त जिलों, समस्त विकासखंडों व कुछ ग्रामों में भी भ्रमण कर चुके हैं। उन्होंने टेलीकॉम connectivity व डाटा सेंटर के बावत भी चर्चा की। सचिव द्वारा बताया गया कि उत्तराखंड का IT विभाग इसका नोडल है व इस दिशा में कार्य भी कर रहा है, फिर भी वह भी सम्बंधित विभाग से इस बावत जानकारी प्राप्त कर राज्यपाल के संज्ञान में लाएंगे।

जब महामहिम को यह बताया गया कि कैसे का क्रि विभाग विभिन्न विभागों की योजनाओं का संकलन कर बहुउदेशीय शिविरों के माध्यम से आम जन तक इनका प्रचार प्रसार करेगा उन्होंने भी राज्य में स्थापित 78 केंद्रीय संस्थानों के उच्च अधिकारियों द्वारा प्राथमिक रूप से भेंट की गयी है तथा भविष्य में ये संस्थान उत्तराखंड के हित में क्या कार्य कर रहे हैं अथवा कर सकते हैं, का प्रस्तुतीकरण लिया जायेगा। सचिव ने अनुरोध किया कि उन प्रस्तुतीकरणों में का क्रि विभाग को भी आमंत्रित किया जाये तो जो बहुउद्देशीय शिविर लगाये जाएंगे, उनमें इनका भी लाभ आम जन को मिल पायेगा।अंत में राज्यपाल ने बताया कि आम जन को सुलभ स्वास्थ्य, शिक्षा, जल व connectivity प्रदान हो जाय तो काफी हद तक समस्यावों का समाधान सम्भव है। इस दिशा में हालांकि सरकार अच्छा कार्य कर रही है परंतु उपरोक्त विभागों को युध्दस्तर पर कार्यवाही करने की आवश्यक्ता है।

विभाग के कार्यों का सन्छिप्त विवरण पर एक नज़र

कार्यक्रम क्रियान्वयन अनुभाग/विभाग का गठन वर्ष 2009 में मुख्यमंत्री की प्राथमिकताओं में सम्मिलित/चिन्हित कार्यक्रम ''सरकार जनता के द्वार'' ''हमारा संकल्प अनुशासित प्रदेश'' एवं ''हमारा संकल्प भयमुक्त समाज'' के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु किया गया है। विभाग का फील्ड में कोई निदेशालय वर्तमान में नहीं है, मात्र शासन में 01 अनुभाग है।

■ ''सरकार जनता के द्वार'' जिला स्तर/मण्डल स्तर के अधिकारियों द्वारा पहली बार इस वित्तीय वर्ष में विभागीय बजट रू0 1000 (टोकन मनी) कार्यक्रम क्रियान्वयन प्रकोष्ठ हेतु स्वीकृत हुई है।

■ हमारा संकल्प भयमुक्त समाज कार्यक्रम के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु दिनांक 20.04.2023 को मंडल आईजी/कमिश्नर व पुलिस कप्तानों आदि के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग/बैठक आहूत की गयी।

■ तीनो संकल्पों के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु मा0 मुख्यमंत्रीजी की अध्यक्षता में समस्त मंडल आयुक्तों/जिलाधिकारियों/वरिष्ठ पुलिस अधीक्षकों के साथ दिनांक 09.06.2023 को बैठक आहूत की गयी।

■ तीनों संकल्पों के वर्तमान परिस्थितियों के अनुसार संशोधन हेतु अपर सचिव की अध्यक्षता में समिति का गठन किया गया।

■ समस्याओं के ग्राम स्तर पर ही निस्तारण हेतु 08 जनपद प्रभारी मंत्रीगणों द्वारा सरकार जनता के द्वार के तहत भ्रमण कर, संबंधित मा0 मंत्रीगणों/विभागाध्यक्षों/जिलाधिकारियों को निस्तारण हेतु प्रेषित की गयी।

शिकायतों के त्वरित निस्तारण हेतु मण्डल स्तर पर टास्क फोर्स गठित की जा चुकी है तथा संबंधित जिलाधिकारियों को पत्र प्रेषित किये गये हैं।

■ उत्तराखण्ड में समस्त विभागों द्वारा संचालित समस्त जनकल्याणकारी/स्वरोजगारपरक योजनाओं के संकलन हेतु सभी विभागों के साथ 03 बार बैठक आहूत कर, समस्त योजनाओं का विवरण प्राप्त किया जा रहा है अद्यतन 47 विभागों के साथ बैठक आहूत की जा चुकी है एवं योजनाओं का संकलन प्राप्त किया जा चुका है।

प्रस्तावित कार्य

■ वैबसाइट का कार्य गतिमान है।

■ उत्तराखण्ड में समस्त विभागों द्वारा संचालित समस्त जनकल्याणकारी/स्वरोजगारपरक योजनाओं के संकलन की कार्यवाही गतिमान है।

■ राजस्व ग्रामों का भ्रमण/रात्रिप्रवास, कर जन-समस्याओं को सुनते हुए निस्तारण किया जाता है। वर्तमान में सभी जनपदों द्वारा जनपदस्तरीय अधिकारियों का रोस्टर निर्धारित करते हुए भ्रमण कार्यक्रम संचालित किया जा रहा है ।

■ ''हमारा संकल्प अनुशासित प्रदेश'' मण्डलस्तरीय/जिलास्तरीय अधिकारियों की टीम बनाकर कार्यालयों का निरीक्षण।

■ ''हमारा संकल्प भयमुक्त समाज'' अपराधों पर नियंत्रण हेतु जिला मजिस्ट्रेटों द्वारा प्रत्येक माह समीक्षा।

■ विभाग को वर्ष 2012-13 के बाद किया गया जिसमें सभी मंत्रीगण अभी तक कुल 19 बार भ्रमण हेतु जा चुके हैं।

■ कार्यक्रम क्रियान्वयन विभाग के 04 विशेष कार्याधिकारियों द्वारा फरवरी, अप्रैल, जुलाई व अगस्त 2023 माह में कुल 12 जनपदों (उत्तरकाशी को छोडकर) के 56 विकास खण्डों तथा 165 ग्राम पंचायतों का भ्रमण किया गया है।

■ सभी मा0 मंत्रीगणों/सचिवों/विशेषकार्याधिकारियों/जनपद स्तर पर भ्रमण करने हेतु गए अधिकारियों को भ्रमण के दौरान प्राप्त मुख्य समस्याओं/शिकायतों/सुझावों एकत्रित करते हुए विभागवार अलग-अलग

■ बहुउददेशीय शिविरों के आयोजन हेतु योजना की कार्यवाही गतिमान है, जिसके उपरांत समस्त जनपदों में प्रति जनपद, प्रतिमाह बहुउददेशीय शिविरों का आयोजन किया जायेगा।

लम्बित कार्य

■ प्रकोष्ठ को पुनः सक्रिय/पुर्नजीवित करने के लिए पत्रावली कार्मिक विभाग में लम्बित है।

■ अद्यतन विभागीय कार्य अधिसूचित नहीं किये गये हैं, वर्तमान में पत्रावली सचिवालय प्रशासन विभाग/नियोजन में लम्बित है।

उत्तरकाशी : चीड़ के पेड़ ने बचाई 21 लोगों की जिंदगी, सामने खड़ी थी मौत

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

उत्तरकाशी 17 अगस्त : उत्तराखंड में हर दिन हादसे देखने को मिलते है। ऐसा ही एक हादसा उत्तरकाशी जिले में बड़ा हादसा होने वाला था। सवारियों से भरी एक बस देहरादून से उत्तरकाशी जा रही थी। जैसे ही बस देहरादून-सुवाखोली-मोरियाना-उत्तरकाशी रोड पर पहुंची चालक ने बस पर से नियंत्रण खो दिया। जिसके बाद बस सड़क से उतरते हुए खाई की ओर निकल गई।

बस को नीचे गिरते देख सवारियों में चीख-पुकार मच गई, लगा कि अब बच नहीं पाएंगे, लेकिन तभी रोडवेज बस एक पेड़ पर अटक गई। बस में 21 सवारियां थीं। गनीमत रही कि सभी सवारियां सुरक्षित हैं। रोडवेज बस संख्या UK 07 GA 3246 सुबह करीब साढ़े पांच बजे देहरादून से उत्तरकाशी के लिए चली थी। इसी दौरान मुरैना के पास बस हादसे का शिकार होने वाली थी। बस रोड से उतरकर खाई की तरफ चली गई, लेकिन इसे यात्रियों की अच्छी किस्मत ही कहेंगे, कि एक पेड़ ने बस को थाम लिया।

सड़क से उतरी बस पेड़ पर अटक गई और खाई में नहीं गिरी। बाद में थत्यूड़ पुलिस और एसडी-आरएफ की टीम मौके पर पहुंची और यात्रियों को बस से निकाला। हादसे में आठ लोग चोट लगने से घायल हुए हैं, जिनका चिन्यालीसौड़ में इलाज चल रहा है। ड्राइवर का कहना है कि बस का स्टेयरिंग लॉक हो गया था, जिसके कारण बस खाई की ओर जा गिरी। पुलिस का कहना है कि घटना की वजह का पता लगाया जा रहा है। सवारियों को अन्य वाहनों से उत्तरकाशी भेजा गया है।

सीट बेल्ट न लगे होने पर नहीं खुलते वाहनों के एयरबैग

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 17 अगस्त : अब नए मॉडल की जितनी भी गाड़ियां मार्केट में आ रही है, उन गाड़ियों में एयरबैग लगे हुए है। इसका फायदा कार चालक और उसमें सवार लोगों को तभी मिलता है, जब सीट बेल्ट बांधा गया हो और इसके अलावा गाड़ी के सामने किसी प्रकार का गार्ड नहीं लगा हो। तभी दुर्घटना के दौरान टकराने पर गाड़ी में लगा एयर बैग खुलता है।

बेअसर एयरबैग झटका पहले बार्स पर आता है। ऐसे में अगले हिस्से पर लगे सेंसर को गाड़ी टकराने का पता भी नहीं चलता। ऐसे में वे खुल नहीं पाते है। बंपर बोनट को यूं बनाया जाता है कि दुर्घटना में फोर्स इन पर आएगा। इसलिए गाड़ी हादसे होने के बाद सिकुड जाती है। बंपर गार्ड होने पर पूरा फोर्स गाड़ी पर आ जाता है। अगला हिस्सा सॉफ्ट पैदल चलने वाले और टू व्हीलर्स को बंपर गार्ड से ज्यादा खतरा है। कार का अगला हिस्सा साफ्ट होता है, लेकिन गार्ड इसे खतरनाक बना देता है। सवारियों पर खतरा दुर्घटना में बुल बार्स गार्ड होने पर झटका वाहनों के चेचिस पर ज्यादा आता है। गाड़ी को नुकसान ज्यादा होता है। साथ ही सवारियों पर खतरा बढ़ जाता है।

जानिए, क्यों लगाते हैं बुल बार्स और बंपर गार्ड ज्यादातर लोग गार्ड के सामने हिस्से में स्क्रेच न आए। इसलिए बंपर गार्ड लगा देते है। इसके अलावा छोटी-मोटी दुर्घटना हो तो उसमें भी सामने वाला हिस्सा बच जाए। इसलिए बंपर गार्ड लगवा देते है। ज्यादातर लोग गाड़ी को बचाने के हिसाब से ही बंपर गार्ड लगवा लेते है, लेकिन उन्हें इसके इफैक्ट पता नहीं है। आखिरकार अधिकतर दुर्घटनाओं में क्यों नहीं खुल पाते एयरबैग काम कैसे करते है : एयरबैग सेंसर कंट्रोल से जुड़े होते है। 60 से 80 किमी/घंटे की स्पीड से हादसा होने पर एयरबैग खुल जाते है। टक्कर के बाद एयरबैग 200 किमी/ घंटे के रफ्तार से खुले जाता है, लेकिन यह स्पीड सेंसिटिव नहीं है।

क्यों खुल नहीं पाते : सीट बैल्ट लगी होने की स्थिति में ही एयरबैग खुलते है। झटके के बाद एयरबैग ट्रीगर सेंसर होते है, लेकिन वाहनों पर गार्ड या बुल बार्स लगे होते है तो सेंसर भी उतनी तेजी के साथ काम नहीं कर पाता। क्योंकि झटका सेंसर तक नहीं पहुंच पाता। इंश्योरेंस का भी खतरा : अगर गार्ड होने की स्थिति में एयरबैग खुल भी जाए तो क्लेम अटक सकता है। क्योंकि आरटीओ से गार्ड और बुल बार्स एप्रुव नहीं है। इसके अलावा अब बैन होने के बाद से परेशानियां और भी बढ़ जाएगी।

उत्तराखंड : 28 अगस्त तक बंद रहेगा सुरकंडा देवी रोपवे, ये है वजह

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

उत्तराखंड 17 अगस्त : सुरकंडा देवी रोपवे 17 अगस्त से बंद रहेगा। टिहरी के जिला पर्यटन एवं विकास अधिकारी अतुल भंडारी ने बताया कि दिनांक 17 अगस्त से 28 अगस्त, 2023 तक सुरकंडा देवी रोपवे का वार्षिक रुटीन चेकअप/निरीक्षण किया जाना है। इसलिए रोपवे 17 तारीख से बंद रहेगा। उन्होंने बताया कि सुरक्षा की दृष्टिगत दिनांक 17 अगस्त से 28 अगस्त, 2023 तक सुरकंडा देवी रोपवे की सेवा पूर्ण रूप से स्थगित रहेंगी।

बाप रे बाप 393 फीट की ऊंचाई पर एक चट्टान पर लटकी है दुकान

साभार - सो.मी.

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 17 अगस्त : अगर कोई दुकान 393 फीट की ऊंचाई पर हो, तो क्या आप वहां सामान लेने जाएंगे. शायद 'हां' कहने से पहले आप सौ बार सोचेंगे. लेकिन ऐसी ही एक दुकान चीन में है, जोकि 393 फीट की ऊंचाई पर एक चट्टान पर लटकी हुई हैं. यह दुकान लोहे के क्लैपों की मदद से उस पहाड़ से टांगी गई है. वेबसाइट 'इन-साइडर' की एक रिपोर्ट में इस स्टोर को दुनिया की 'सबसे असुविधाजनक दुकान बताया गया है , अपनी अनोखी लोकेशन के कारण इस स्टोर की तस्वीरें अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रही हैं,

यह दुकान चीन के हुनान प्रांत में स्थित है. लड़की से बनी हुई, यह दुकान एक पहाड़ पर टंगी हुई है. जिस पर से शिनिउझाई नेशनल जियोलॉजिकल पार्क में पर्वतारोहियों स्नैक्स वगैराह खरीदते हैं. क्लाइम्बर्स को इस दुकान से बोतल बंद पानी और स्नैक्स वगैराह मिल जाता है. चीन के 'सीसीटीवी मीडिया आउटलेट' के मुताबिक, किसी भी समय बॉक्सनुमा इस दुकान के अंदर केवल एक ही वर्कर तैनात रहता है. इस स्टोर की तस्वीरों को भी ट्विटर पर हैंडल ने शेयर किया है. तस्वीरें शेयर होने के बाद से उन्होंने कई लोगों का ध्यान खींचा है. ट्विटर पर पोस्ट किए जाने के बाद से उन तस्वीरों को 9 लाख से ज्यादा बार देखा जा चुका है. शेयर को 7 हजार से ज्यादा लाइक्स भी मिल चुके हैं. कई लोगों ने कमेंट सेक्शन में इस स्टोर पर अपने-अपने रिएक्शन शेयर किए हैं,

एक ट्विटर यूजर ने लिखा, 'यह एक ही समय में पागलपन और अविश्वसनीय है.' दूसरे यूजर ने कमेंट किया कि, 'इसके पीछे के कारण की कल्पना नहीं कर सकता, लेकिन यह आश्चर्यजनक है.' तीसरे ने कहा, 'यही कारण है कि मैं हमेशा कहता हूं कि हमारे जीवन की हर चुनौती में हमेशा एक अवसर होता है, चाहे वह कितनी भी कठिन क्यों न लगे.' इस तरह के कमेंट्स के साथ लोगों ने 393 फीट की ऊंचाई पर स्थित इस दुकान को लेकर अपनी हैरानी को जाहिर किया.

क्या है विटामिन P शरीर के लिए क्यों है जरूरी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 17 अगस्त : हमारे शरीर को स्वस्थ रखने के लिए विटामिन्स और मिनरल्स की जरूरत होती है. खाने-पीने की चीजों से ये जरूरी तत्व शरीर को मिलते हैं. अलग-अलग विटामिन्स शरीर में विभिन्न तरीके से काम करते हैं और बीमारियों से बचाने में अहम भूमिका निभाते हैं. विटामिन ए, बी, सी, डी समेत कई तरह के होते हैं, जिनकी हमें हर दिन जरूरत होती है. अब तक आपने इन प्रमुख विटामिन के नाम सुने होंगे, लेकिन क्या आपने विटामिन P के बारे में सुना है. आज आपको बताएंगे कि विटामिन P क्या है और इससे हमारे शरीर को फायदे होते हैं. साथ ही यह भी बताएंगे कि विटामिन P किन फूड्स में भरपूर मात्रा में पाया जाता है.

हेल्पलाइन की रिपोर्ट के मुताबिक प्लांट कंपाउंड के फ्लेवोनोइड्स को ही विटामिन P कहा जाता है. यह वास्तव में विटामिन नहीं है, बल्कि एंटीऑक्सीडेंट और एंटी इंफ्लेमेटरी प्रॉपर्टी वाले फाइटोन्यूट्रिएंट्स का एक वर्ग है. ये सभी हमारे स्वास्थ्य के लिए बेहद फायदेमंद होते हैं. फलों, सब्जियों, चाय, कोको और वाइन में कई प्रकार के फ्लेवोनोइड पाए जाते हैं. फ्लेवोनोइड्स को बायो फ्लेवोनोइड्स के रूप में भी जाना जाता है. पहली बार जब 1930 में वैज्ञानिकों ने पहली बार संतरे से फ्लेवोनोइड्स को निकाला, तब उन्हें एक नए प्रकार का विटामिन माना गया. इसलिए उन्हें विटामिन P नाम दिया गया. इस नाम का अब उपयोग नहीं किया जाता है, क्योंकि फ्लेवोनोइड विटामिन नहीं हैं. फ्लेवोनोइड्स पौधों में मौजूद होते हैं,

माना जाता है कि फ्लेवोनोइड विभिन्न प्रकार के स्वास्थ्य लाभ प्रदान करते हैं. ये हार्ट डिजीज, डायबिटीज और अन्य बीमारियों को रोकने में मदद करते हैं. फ्लेवोनोइड्स एंटीऑक्सीडेंट के रूप में काम करते हैं. ये शरीर के फ्री रेडिकल्स के असर को कम करने में मदद करते हैं. ये फ्री रेडिकल्स सेल्स डैमेज कर सकते हैं और इससे कई गंभीर बीमारियां हो सकती हैं. कई स्टडी में पता चला है कि फ्लेवोनोइड्स हमारे ब्रेन की कोशिकाओं की रक्षा कर सकते हैं और ब्रेन हेल्थ को बढ़ावा दे सकते हैं. फ्लेवोनोइड्स वाली डाइट का सेवन करने से टाइप 2 डायबिटीज का खतरा कम हो सकता है. प्रतिदिन 300 मिलीग्राम फ्लेवोनोइड के सेवन से डायबिटीज का खतरा 5% कम हो सकता है.

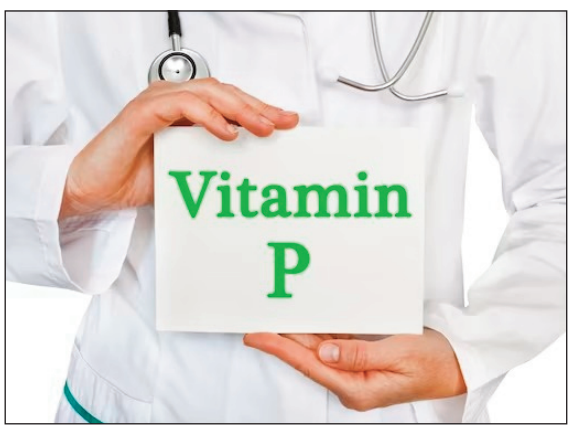

क्या आप जानते हैं कहाँ है अनारकली का मक़बरा ?

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 17 अगस्त , इतिहास के पन्नों में कई ऐसी कहानियां बिखरी हुई हैं, जो अधूरी तो हैं लेकिन वह अमर हैं और उन्हें अभी तक याद किया जाता है जैसे लैला-मजनू, हीर-रांझा, रोमियो-जूलियट आदि की। उन्हीं में से एक सलीम-अना-रकली की अधूरी कहानी है, जो एक दूसरे के लिए तो बने थे लेकिन दुनिया वालों को उनकी मोहब्बत रास नहीं आई और उनकी अमर मोहब्बत एक मकबरे में कैद हो गई। जी हां, आज हम आपको ऐसे मकबरे के बारे में बताने जा रहे हैं, जो 'अनारकली मकबरा' के नाम से जाना जाता है। कहां जाता है कि अनारकली के अवशेषों को वहीं दफन किया गया था। तो चलिए जानते हैं अनारकली मकबरे के बारे में....

मुगल साम्राज्य का इतिहास

मुगल साम्राज्य का दौर लगभग सन 1526 से 1707 तक रहा, जिसकी स्थापना बाबर ने पानीपत की पहली लड़ाई में इब्राहिम लोदी को हराकर की थी। इसके बाद हुमायूं, अकबर, जहांगीर, शाहजहां आदि के बाद अंतिम मुगल शासक औरंगजेब था। जिन्होंने अपने शासन के दौरान समाज का निर्माण किया। इसके अलावा, कुछ महिलाएं भी थी, जिन्हें अपना योगदान नीति-निर्माण में दिया और उनका नाम इतिहास के पन्नों में दर्ज है।

कौन थी अनारकली ?

अनारकली का नाम नादिरा बेगम था लेकिन उन्हें शर्फुन्निसा नाम से भी पुकारा जाता था। इतिहास कहता है कि वह ईरान से आई थीं यह इतनी खूबसूरती थी कि उन्हें जो भी देखता था, तो उनकी खूबसूरती का कायल हो जाता था। इसी तरह सलीम भी नादिरा के दीवाने हो गए थे और इसलिए उन्हें अनारकली नाम से पुकारा गया।

जानिए अनारकली मकबरे के बारे में?

'अनारकली' का मकबरा परंपरागत रूप से राजकुमार सलीम (बाद के सम्राट जहांगीर) की प्रेमिका अनारकली के नाम से बनवाया गया है। जहांगीर ने सत्ता संभालने के बाद अनारकली के मकबरे का निर्माण करवाया था। यह 'अनारकली मकबरे' के तौर पर 1615 में बनकर तैयार हो गया था।

मौजूद है अनारकली की कब्र

सलीम (बाद में जहांगीर) और अनारकली की मोहब्बत पिता शहंशाह अकबर को तनिक भी रास नहीं आई और उन्होंने अनारकली को दीवारों (जहां अब मकबरा) में चुनवाने का फरमान सुना दिया। बाद में, जहांगीर ने यहां मकबरा बनवाया और वहीं अनारकली की कब्र भी बनवाई यहां उसे दफन किया गया था। इसके अलावा, आपको बता दें कि अनारकली की इस कब्र पर दो तारीख लिखी हैं जिसमें से एक हैं 1008 हिजरी (1599 ई.), और दूसरी है 1025 हिजरी (1615 ई.) है। यानि पहली तारीख अनारकली की मौतकी है और दूसरी मकबरे का काम पूरा होने की तारीख है।

कहां स्थित है मकबरा?

अनारकली का मकबरा मुगल काल की सबसे महत्वपूर्ण इमारतों में से एक है। वर्तमान समय में अनारकली का मकबरा पाकिस्तान के लाहौर में स्थित है। अनारकली उस क्षेत्र का नाम भी है जहां यह मकबरा स्थित है।

जाल में फंसे तो कपड़े तक उतार देगी, ऐसे बचें सेक्सटॉर्शन से

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 17 अगस्त : पिछले कुछ सालों में हमने इन स्कैम के जरिए कई लोगों के पैसे ठगे जाने के बारे में सुना है. एक नए तरह का स्कैम जिसमें सेक्स, ब्लैकमेल और जबरन वसूली शामिल है, इस टेक्नोलॉजी को एक भयावह और घिनौना रूप दे रहा है. इस स्कैम को सेक्सटॉर्शन का नाम दिया गया है, जिसने समाज में अपनी छवि के साथ-साथ लोगों को अपने पैसों को लेकर भी चिंतित कर रखा है. आपको इसके बारे में कुछ बातें जानने की जरूरत है,

यह दो शब्द सेक्स और एक्सटॉर्शन से मिलकर बना है। मोबाइल, वीडियो कॉल और वेबकैम के जरिए जब अनजान व्यक्ति किसी की सेक्स एक्टिविटी या न्यूड फोटो को रिकॉर्ड करके उसके जरिए ब्लैकमेल करे, तब उसे सेक्सटॉर्शन कहते हैं। आप सही है ऐसा नहीं होता।

समझदार लोग ऐसे वीडियो कॉल और मैसेज को इग्नोर नहीं करते हैं। मामला बढ़ने पर वे पुलिस से शिकायत भी करते हैं। जो ऐसा नहीं करते उनका फंसना निश्चित है ऐसे मामलों में पहले नजदीकी बढ़ाई जाती है। कुछ दिन के बाद वीडियो कॉल पर आकर बात करने का ऑफर दिया जाता है।

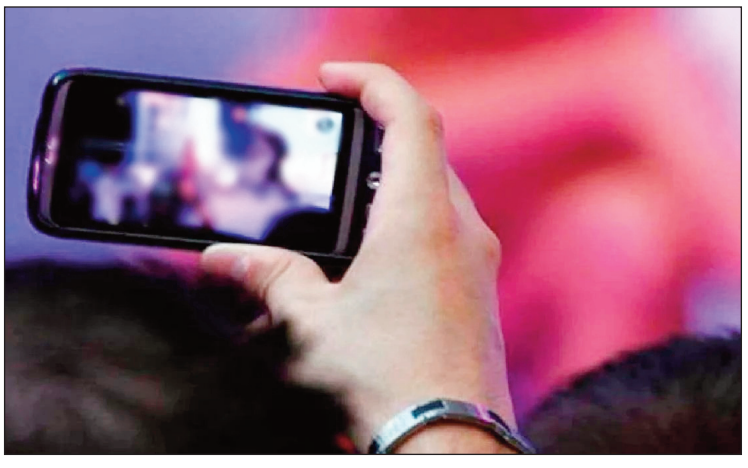

फिर वीडियो कॉल पर उस व्यक्ति के सामने आने पर रिकॉर्डेड पोर्न वीडियो इस तरह चलाया जाता है कि जैसे वो लाइव देख रहा हो इसके बाद पोर्न वीडियो चलने के दौरान कॉल पर सामने आए व्यक्ति को कपड़े उतारने को प्यार से कहा जाता है। वो इस कदर जाल में फंस चुका होता है कि वो ऐसा करने लगता है। उसकी हरकत रिकॉर्ड कर ली जाती है। बाद में यही रिकॉर्ड वीडियो भेजकर उसे ब्लैकमेल किया जाता है।

अलर्ट तो हमें हर अनजान फोन कॉल और मैसेज को लेकर रहना चाहिए। किसी भी अनजान कॉल को एंटरटेन नहीं करना चाहिए।कुछ लोग टेली मार्केटिंग कॉल पर भी लड़कियों की आवाज सुनकर उनसे टाइम पास करते हैं। यही गलती हमें फंसा देती है। अगर कोई आपको अपनी न्यूड फोटो भेजें और आपकी मांगें तो समझ लें गड़बड़ है। याद रखें, नॉर्मल कॉल के लिए फोन करने वाला कभी भी आपकी फोटो नहीं मांगेगा। इस तरह की चीजों को नजरअंदाज न करें, पुलिस के पास रिपोर्ट जरूर करें।

सेल्फ हेल्प : कुछ बेहतर की चाह रखेंगे तभी आलस त्याग पाएंगे

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 17 अगस्त : थोड़े से लालच के बिना, कुछ बेहतर हासिल करने की इच्छा के बिना प्रगति नहीं होती। दुनिया इसलिए प्रगति करती है कि हम बेहतर जीवन जीना चाहते हैं। बेहतर चाहते हैं इसलिए नए आविष्कार होते हैं। आप किसी ऐसी चीज से कतरा रहे हों जो आपको करनी चाहिए, तो आपको खुद से पूछना है कि इसमें मेरे लिए क्या है? थोड़े लालची बन जाएं। यह आलस का सबसे बढ़िया इलाज है।

अंतरात्मा आत्मा का वह प्रकाश है जो हमारे मनोवैज्ञानिक हृदय के कक्षों के भीतर जलता है। यह उतना ही असली है जितनी कि जिंदगी। जब सदाचार के विपरीत कोई चीज सोची या की जाती है, तो यह विरोध में आवाज उठाती है। अंतरात्मा सत्य का ऐसा रूप है जो सही या गलत के बारे में हमारे खुद के कार्यों और भावनाओं के रूप में हमें मार्गदर्शन देती रहती है।

पहनावा आपकी सोच और एनर्जी दोनों को बूस्ट कर सकता है। प्रोफेशनल स्पीकर मार्क जॉर्डन कहते हैं कि अच्छा दिखने से आप सामने वाले को खुद के बारे में संदेश देते हैं कि आप बेहतर मूड में हैं, आपके पास पूरा अधिकार है, आप पूरी तैयारी के साथ काम करते हैं, हमेशा होशियार रहते हैं और सफल हैं। जबकि खराब पहनावा आपके लापरवाह, अप्रभावी और महत्वहीन होने का संदेश देता है। आपको जो काम करना है उससे पूरी तरह से परिचित हो जाएं। जीवन में ऐसा कोई काम न करें, जिसमें आपकी रुचि न हो क्योंकि जिस काम में आपकी रुचि नहीं होती, उसे आप हमेशा अधूरे मन से करते हैं। आप अपने मन में इस बात को बैठा लें कि अगर जीवन में आगे बढ़ना है तो जोश बहुत काम आता है। बिना जोश के आपके मन में निराशा के भाव पैदा होने लगेंगे और आप आगे नहीं बढ़ पाएंगे।

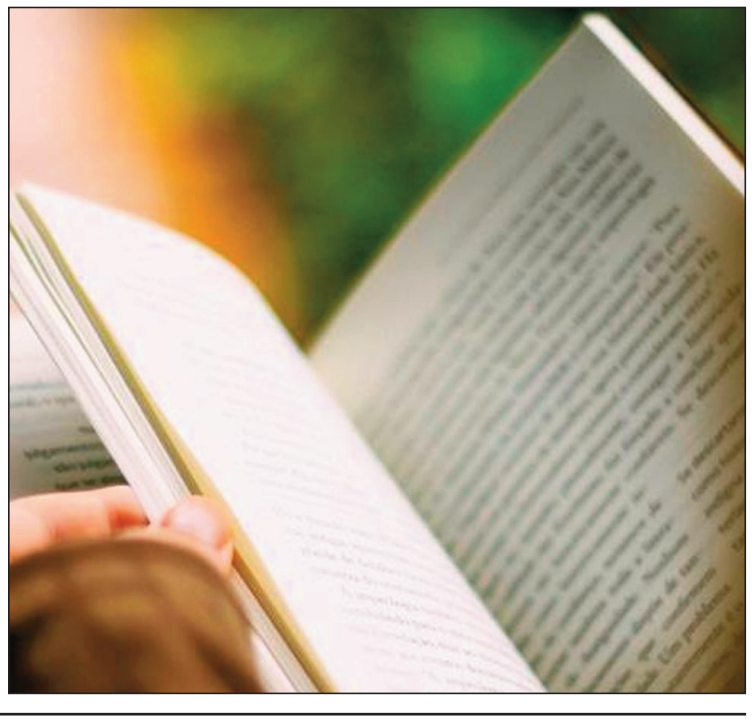

जल संस्थान को टाउन हाल में दफ्तर नहीं मिला तो कल से आंदोलन

देहरादून। मसूरी में उत्तराखंड जल संस्थान को नवनिर्मित टाउन हाल में दफ्तर नहीं मिला तो कर्मचारी आंदोलन करेंगे। इसे लेकर 18 अगस्त से टाउन हाल परिसर में कर्मचारी यूनियन धरना देगी। साथ ही काला फीता बांध कर कार्य करेंगे। 23 अगस्त को कर्मचारी सामूहिक अवकाश रहेंगे और 25 अगस्त से अनिश्चितकालीन हड़ताल पर चले जाएंगे। जल संस्थान का कार्यालय मसूरी में निजी भवन में चल रहा है, जिसे कोर्ट के आदेश के बाद खाली किया जाना है। इससे पहले जल संस्थान कार्यालय टाउन हाल में चलाया जा रहा था। टाउनहाल के नए बनाए जाने पर जल संस्थान का निजी भवन में शिफ्ट कर दिया गया था। तब आश्वासन दिया गया था कि जल संस्थान को 500 वर्ग मीटर भूमि उपलब्ध कराई जाएगी। लेकिन ऐसा कोई प्रावधान नहीं किया गया। उत्तराखंड जल संस्थान मसूरी शाखा के अध्यक्ष रामचंद्र सेमवाल और महामंत्री उत्तम सिंह ने बताया कि जल संस्थान अब तक 150 लाख रुपये निजी भवन के किराए और कोर्ट केस पर खर्च कर चुका है। जबकि नए कार्यालय भवन बनाने के लिए 200 लाख रुपये की जरूरत है। ऐसे में टाउन हॉल के एवज में जल संस्थान को 350 लाख रुपये की धनराशि दी जानी चाहिए। साथ ही टाउनहाल में कार्यालय फिर से शिफ्ट किया जाना चाहिए। ऐसा नहीं किया गया तो कर्मचारी आंदोलन करेंगे। व्यापार संघ अध्यक्ष रजत अग्रवाल ने भी कर्मचारी यूनियन की मांग का समर्थन करते हुए कहा है कि व्यापारी आंदोलन को पूरा समर्थन करेगा।

जिम जाने की सोच रहे हैं तो जान ले ये बात, रहेंगे बिलकुल फिट

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 17 अगस्त : शारीरिक और मानसिक रूप से फिट और हेल्दी रहने के लिए जिम में वर्कआउट करना, जिम टिप्स फॉलो करना, एक्सरसाइज करना आवश्यक है. जिम में वर्कआउट करना ना सिर्फ वजन कम करता है, बल्कि शरीर में जमा फैट भी कम होता है. फिटनेस को सिर्फ अंदरूनी ताकत ही नहीं पर्सनैलिटी के लिए भी बेहद जरूरी माना जाता है. अच्छी फिजिक वाले लोगों पर हर कपड़े अच्छे लगते हैं और उन्हें इससे कॉन्फिडेंस भी मिलता है. लेकिन कई लोग इस जुनून के चक्कर में खुद के शरीर को नुकसान भी पहुंचा देते हैं.हम यहां आपको जिम और एक्सरसाइज करने के सही तरीकों के बारे में बता रहे हैं, जिनसे आप बिना किसी तकलीफ के फिट रह सकते हैं.समय करें तयहम सब के शरीर में एक जैविक घड़ी भी होती है. यह घड़ी शरीर की तमाम जरूरतों के बारे में हमें बताती है. शरीर की यही घड़ी एक्सरसाइज करने के समय के बारे में भी बताती है.जिम जाने या फिर एक्सरसाइज करने से पहले आपको उसके लिए एक समय तय करना होगा. अपने शेड्यूल को ध्यान में रखते हुए समय तय करें. नॉर्मल एक्सरसाइज के लिए आप आधे घंटे या फिर 40 मिनट निकाल सकते हैं

जिम जाने से पहले लें ऐसी डाइटआमतौर पर कहा जाता है कि सुबह उठने के बाद जिम करनी चाहिए. लेकिन यह बहुत फायदेमंद नहीं है. असल में सुबह उठने के

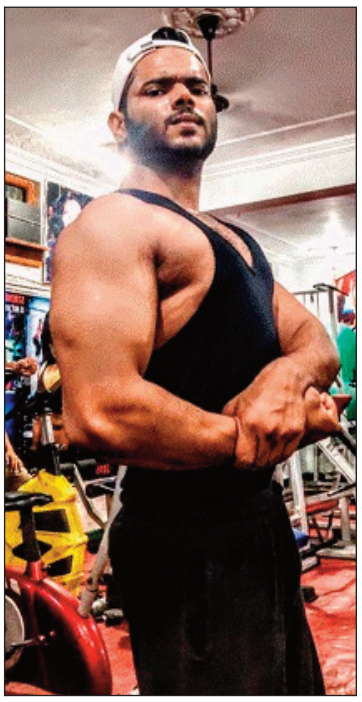

बाद धीरे-धीरे शरीर अपनी लय में आता है. इसमें करीब एक घंटे का समय तो लग ही जाता है. हेल्थी फाई मी के अनुसार जिम जाने से पहले या अगर अपने पहली बार जिम स्टार्ट किया है तो आपको अपनी डाइट में कुछ चीजें जरूर शामिल करनी चाहिए. इसमें किसी फल का जूस, दलिया, ओट्स, प्रोटीन आदि का इस्तेमाल कर सकते हैं. ऐसे में कार्बोहाइड्रेट से भरपूर चीजें खाना काफी अच्छा होता है.

जानिए क्यों लाल हरे और नीले होते हैं ट्रेन के डिब्बे

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 17 अगस्त : भारतीय रेलवे एशिया का दूसरा और दुनिया का चौथा सबसे बड़ा रेल नेटवर्क है. भारत में कुल 12,167 पैसेंजर ट्रेनें और 7,349 मालगाड़ी ट्रेनें हैं. भारतीय रेलवे से रोजाना 23 मिलियन यात्री सफर करते हैं. क्या आपने कभी गौर किया होगा कि ट्रेन के डिब्बे तीन कलर के होते हैं. कुछ डिब्बे लाल, कुछ नीले तो कुछ हरे कलर के होते हैं. क्या आपने कभी सोचा है कि ट्रेन के डिब्बे लाल, नीले और हरे रंगों के ही क्यों होते हैं. इन रंगों का क्या मतलब है, आइए आपको बताते हैं भारत में इन दिनों लाल रंग के कोचों की संख्या काफी ज्यादा हो गई है. लाल रंग के कोचों को LHB यानी Linke Hofmann Busch कहते हैं. इनका निर्माण कपूरथला, पंजाब में होता है. इन डिब्बों को बनाने में स्टेनलेस स्टील का इस्तेमाल होता है. इस वजह से ये डिब्बे वजन में हल्के होते हैं. इन डिब्बों को डिस्क ब्रेक के साथ 200 KM/घंटा की स्पीड से दौड़ाया जा सकता है. इसके

मेंटेनेंस में भी कम खर्च आता है. एक्सीडेंट होने पर ये डिब्बे एक-दूसरे के ऊपर नहीं चढ़ते हैं. क्योंकि इनमें Center Buffer Couling सिस्टम होता है.नीले रंगों वाले कोच भी बहुतायत में देखने को मिलते हैं. इन्हें Integral Coach Factory कोच कहते हैं. नीले रंग के कोच वाले ट्रेनों की स्पीड 70 से 140 किमी/घंटा तक होती है. मेल एक्सप्रेस या सुपरफास्ट ट्रेनों में इन डिब्बों का इस्तेमाल किया जाता है. इंटीग्रल कोच फैक्ट्री तमिलनाडु में स्थित है. इन्हें बनाने में लोहे का इस्तेमाल किया जाता है. ये डिब्बे भारी होते हैं, इस कारण इनके मेंटेनेंस में खर्च ज्यादा आता है. प्रत्येक 18 महीने में इन डिब्बों को ओवरहालिंग की जरूरत होती है. गरीब रथ ट्रेनों में हरे रंग के डिब्बों का इस्तेमाल होता है. जबकि मीटर गेज ट्रेनों में भूरे रंग के डिब्बों का इस्तेमाल होता है. हलके रंग के कोच का प्रयोग नैरो गेज ट्रेनों में होता है. भारत की बात करें तो अब देश में नैरो गेज ट्रेनों का परिचालन लगभग बंद कर दिया गया है.

नौकरी नहीं बिजनेस को तवज्जों दे रहे भारतीय : सर्वे रिपोर्ट

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 17 अगस्त , भारत सरकार आत्मनिर्भर अभियान को तेजी से प्रमोट कर रही है. सरकार की कोशिश है कि ज्यादा से ज्यादा सेक्टर इस दायरें में आ सके ताकि देश आत्मनिर्भर बन सके. इसी बीच एक सर्वे में सामने आया है कि भारत के लोग नौकरी से ज्यादा कारोबार करने को तव्ज्जों दे रहे है. लोकल सर्किल की ओर से किए गए इस सर्वे के मुताबिक हर 10 में से 7 भारतीय कारोबार को ज्यादा प्राथमिकता दे रहा है. उन्हें लगता है कि नौकरी के मुकाबले कोरबार करना बेहतर है और इसमें ग्रोथ भी ज्यादा है.

लोकल सर्किल ने लिए देश के 379 जिलों में इस सर्वे को किया. इसमें पाया गया कि 44 फीसदी से ज्यादा लोग इस बात को मान रहे है कि नौकरी से ज्यादा अच्छा अपना कारोबार करना है. भले ही कारोबार छोटा क्यों न हो. लेकिन इसमें आगे बढ़ने का स्कोप है.

कारोबार करना होगा और आसान

इस सर्वे में 55 फीसदी लोगों का मानना है कि भारत में कारोबार के अवसर आने वाले समय में और तेजी से बढ़ने वाले है. खासकर 2027 तक बिजनेस करने वालो

साभार - सो.मी.

का ग्रोथ काफी ज्यादा होगा. दरअसल सरकार भी भारत में कारोबार करने को आसान बनाने के लिए कई कदम उठा रही है. वहीं एपल से लेकर कई बड़ी कंपनियां भी अपने कारोबार का विस्तार भारत में कर रही है. ऐसे में माना जा रहा है कि इंडिया आने वाले समय में दुनिया के कारोबार का हब बन सकता है. वहीं इस सर्वे में 44 फीसदी लोग मानते है कि कारोबार विस्तार तो तेजी से होगा. कारोबार के नए मौके भी बनेंगे लेकिन इसका फायदा कुछ ही लोगों को मिल सकेगा.

नौकरी या कारोबार, क्या बेहतर

ऑक्सफेम इंडिया की एक रिपोर्ट के मुताबिक भारत में नौकरी और कारोबार करने वालों का वेल्थ गैप काफी बढ़ा है. इस रिपोर्ट के मुताबिक देश की 5 फीसदी आबादी ही ऐसी है जिनके पास देश का 60 फीसदी वेल्थ है. जबकि 50 फीसदी आबादी के पास टोटल वेल्थ में हिस्सेदारी केवल 3 फीसदी की है. इस रिपोर्ट के मुताबिक वेल्थ का बड़ा हिस्सा कारोबार से ही है.

अजब-गजब : पत्नी को पीठ पर उल्टा टांग कर होती है रेस

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 17 अगस्त : यूरोप दुनिया के सबसे अमीर महाद्वीपों में से एक है। यहां मौजूद देशों को काफी विकसित माना जाता है, लेकिन इसके बाद भी इन देशों में अलग-अलग मान्यताओं और रीति-रिवाजों का पालन किया जाता है, जो काफी विचित्र हैं। आज हम आपको ऐसी ही सात अजीबोगरीब मान्यताओं के बारे में बताने जा रहे हैं, जिसके बारे में जानकर आपको हैरानी होगी।1. चेक गणराज्य में बेहद अजीबोगरीब परंपरा का पालन किया जात है, जिसमें पुरुष ईस्टर मंडे को पेड़ की टहनियों से महिलाओं को पीटते (Whipping Monday) हैं। इसके बदले में महिलाएं पुरुषों को अच्छी पिटाई करने के लिए पुरस्कार भी देती हैं। इस परंपरा के तहत कम उम्र के पुरुषों को रंगीन अंडा दिया जाता है और अधेड़ उम्र के पुरुषों को शराब मिलती है। इन लोगों का मानना है कि पिटाई करने से महिलाओं में फर्टिलिटी बेहतर होती है।2.स्कॉटलैंड में सालों से चली आ रही एक प्रथा के तहत लोग होने वाली दुल्हन पर शादी से पहले (Blackening of the bride) कालिख लगाते हैं। इतना ही नहीं होने वाली दुल्हन को कीचड़ से लेकर अंडे और अन्य चीजों से नहलाया जाता है। लोगों का मानना है कि इससे दुल्हन के अंदर सहनशीलता आती है, जो शादी के बाद आने वाली समस्याओं झेलने

में मदद करती है।3 . अजीबोगरीब रीति-रिवाजों की लिस्ट में फिनलैंड में खेले जाने वाले वाइफ कैरिंग चैंपियनशिप भी शामिल है, जिसमें पत्नी को अपने ऊपर टांग कर रेस लगाई जाती है। इसमें ज्यादातर लोग पत्नी को पीठ पर उल्टा टांग लेते हैं, जिससे पति दोनों पैरों को अपने हाथों से पकड़कर भाग सके। रेस में जीतने वाले पुरुष को उसकी पत्नी के वजन के बराबर बियर मिलती है।

संपादकीय

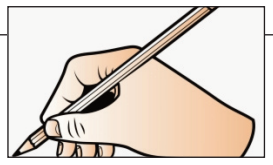

'विकसित राष्ट्र' का सपना

प्रधानमंत्री मोदी ने लालकिले की प्राचीर से, देश को संबोधित करते हुए, दो महत्त्वपूर्ण लक्ष्य तय किए और उनकी घोषणा की। एक, आजादी के 100 साल बाद 2047 में भारत 'विकसित राष्ट्र' होगा। दूसरा, आगामी 5 साल में जो फैसले लिए जाएंगे और काम किए जाएंगे, उनका असर 1000 साल तक रहेगा। लक्ष्यों के मद्देनजर प्रधानमंत्री ने देश की जनता से मदद मांगी और आशीर्वाद चाहा। वोट मांगने की थोड़ी-सी कसर रह गई। यह विशुद्ध रूप से राजनीतिक आह्वान है। जवाहर लाल नेहरू, इंदिरा गांधी और अटल बिहारी वाजपेयी सरीखे प्रधानमंत्रियों ने लालकिले का इस्तेमाल राजनीतिक मंच के तौर पर नहीं किया। आश्चर्यजनक यह भी रहा, जब प्रधानमंत्री मोदी ने दावा किया कि 2024 में वह फिर आएंगे और लालकिले से अपनी उपलब्धियां गिनाएंगे। ऐतिहासिक लालकिला और 15 अगस्त, स्वतंत्रता दिवस 'राष्ट्रीय पर्व' के प्रतीक हैं। वहां से प्रधानमंत्री का राष्ट्रीय संबोधन 'राजनीतिक' नहीं होना चाहिए। प्रधानमंत्री मोदी ने पहले लक्ष्य की अवधि 24 साल तय की है। क्या इतने समय तक उनसे या उनके उत्तराधिकारी प्रधानमंत्रियों से देश कोई सवाल न करे? दूसरा लक्ष्य वर्ष 3023 का है। क्या तब तक की दुनिया और वैश्विक समीकरणों की कल्पना की जा सकती है? भारत में पंचवर्षीय योजनाओं का चलन रहा है। उसके बाद प्रधानमंत्री, कैबिनेट और संबंधित विशेषज्ञ समीक्षा करते हैं कि योजनाओं के हासिल क्या रहे? अथवा लक्ष्य पिछड़ गए हैं, तो उनके कारण और समाधान क्या हो सकते हैं? प्रधानमंत्री का 3023 का लक्ष्य और एजेंडा अर्थपूर्ण नहीं लगता। उसकी जवाबदेही और जिम्मेदारी किसकी होगी? बेशक 2047 का लक्ष्य भी 'सपनीला' लगता है, क्योंकि विश्व बैंक ने भारत को फिलहाल 'निम्न मध्यम आय' वाली श्रेणी में रखा है, क्योंकि हमारी प्रति व्यक्ति राष्ट्रीय आय वैश्विक स्तर पर बहुत कम है। 'विकसित राष्ट्र' बनने के मायने ये हैं कि प्रत्येक व्यक्ति, नागरिक को 'आर्थिक अवसर' जरूर मिलने चाहिए। यकीनन हमारी 30 साल की उम्र से कम वाली आबादी विश्व में सर्वाधिक है। वह हमारी ताकत भी है। वह ताकत 'विकसित अर्थव्यवस्था' तब पैदा कर सकती है, जब बेरोजगारी के मुद्दे को गंभीरता से संबोधित किया जाए। भारत में बेरोजगारी एक चिंतित सरोकार है और इसकी राष्ट्रीय दर करीब 8 फीसदी है। राज्यों में तो बहुत ही बुरे हालात हैं। सरकारी भर्तियों के लिए परीक्षाएं ही टलती रहती हैं। यदि चयन भी हो गया, तो नियुक्ति-पत्र और ज्वाइनिंग को लटका दिया जाता है। आजकल जो नियुक्ति-पत्र बांटे जा रहे हैं, वे 'ऊंट के मुंह में जीरा' समान हैं। हजारों कर्मचारी सडक़ों पर धरना-प्रदर्शन करते हुए दिखते हैं, क्योंकि उनके वेतन के भुगतान ही अधर में लटके रहते हैं। ऐसा भारत 2047 या उसके बाद भी 'विकसित' कैसे बन सकता है? कमोबेश प्रधानमंत्री मौजूदा व्यवस्था की विसंगतियों को तो संबोधित करें। भारत में महिला श्रम-बल की भागीदारी दर 2022 में करीब 24 फीसदी थी, जबकि यह वैश्विक औसत करीब 47 फीसदी है। प्रधानमंत्री ने लालकिले से घोषणा की है कि वह 2 करोड़ महिलाओं को 'लखपति' बनाएंगे और ग्रामीण स्व सहायता समूहों को ताकतवर बनाएंगे। यह तो किसी भी विकसित राष्ट्र की बुनियाद है, जिसे अभी बनाने की घोषणा की गई है।

दैनिक न्यूज़ वायरस
संपादक : मौ.सलीम सैफी, कार्यकारी संपादक : आशीष कुमार तिवारी न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक मौ.सलीम सैफी द्वारा विश्वनाथ प्रिंटर्स, अजबपुर कलां, देहरादून से प्रकाशित एवं न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड, 48/3 बलबीर रोड, डालनवाला, देहरादून से मुद्रित। **फ़ोन :** 0135-4066790, 2672002 **RNI No. :** UT-THIN/2012/44094 **Cert. Ser. No. :** 31406 **E-mail :** dainiknewsvirus@gmail.com **Website :** www.newsvirusnetwork.com **YouTube :** TV News Virus
न्याय क्षेत्राधिकार : जनपद देहरादून (उत्तराखंड), भारत

पढ़िए क्यों बुजुर्ग सुबह उठते ही हथेली देखते हैं ? जानिए फायदे

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 17 अगस्त , सुबह का समय बहुत ही शक्तिशाली माना जाता है। इस समय में हमेशा ऐसे काम करने की सलाह दी जाती है जिनसे आपको सकारात्मक ऊर्जा मिले। अगर आप दिन की शुरुआत ही अच्छे कामों से करते हैं तो पूरा दिन अच्छा बीतता है। हर वो काम जिससे आपको ऊर्जा मिल वो आपके लिए सुबह करना ही अच्छा माना जाता है। इसी सकारात्मकता को बनाए रखने और मन में नई आशा और उत्साह जगाने के लिए हमारे शास्त्रों में एक बात कही गई है कि आपको उठते ही अपनी हथेली में बनी रेखाओं के दर्शन जरूर करने चाहिए क्योंकि इसे आपके भाग्य से जोड़कर देखा जाता है।ऐसा माना जाता है कि आंख खुलते ही अगर सबसे पहले आपकी हथेलियों के दर्शन हो जाएं तो यह व्यक्ति के दुर्भाग्य को भी सौभाग्य में बदला जा सकता है। शास्त्रों में कहा गया है कि 'कराग्रे वसते लक्ष्मी, करमध्ये सरस्वती, करमूले तु गोविन्दः प्रभाते करदर्शनम' अर्थात मेरे हाथों के अग्र भाग में धन की देवी माता लक्ष्मी का वास है, मध्य में बुद्धि की देवी मां सरस्वती का वास है और गोविन्द अर्थात भगवान विष्णु मूल में निवास करते हैं, इसलिए इन सभी के एक साथ प्रातः काल दर्शन करने की सलाह दी जाती है।यदि आप प्रातः काल हथेलियों के दर्शन करते हैं तो हाथों में पालनहार भगवान विष्णु का वास होने की वजह से उनकी भी कृपा दृष्टि बनी रहती है। ऐसा माना जाता है कि जब आप हथेलियों के दर्शन करते हैं तो आप एक तरह से ईश्वर के दर्शन कर लेते हैं। भगवान विष्णु जगत के

पालनहार हैं, इसलिए जो व्यक्ति सुबह हथेली में विष्णु जी का ध्यान करते है उसे इन तीनों की कृपा प्राप्त होती है।

ऐसा माना जाता है कि दोनों हाथों की हथेलियों में तीर्थ स्थान होता है। शास्त्रों में बताया गया है कि हमारे हाथों की चार अंगुलियों के अग्रभाग में 'देवतीर्थ' होते हैं। तर्जनी के मूल भाग में 'पितृ अर्थ', कनिष्ठिका के मूल भाग में 'प्रजापति अर्थ' और अंगूठे के मूल भाग में 'ब्रह्मतीर्थ' का निवास होता है और यदि आप प्रातः काल हथेलियों के दर्शन करते हैं तो आपको सभी तीर्थों के दर्शन के बराबर फल मिलता है। दाहिने हाथ के मध्य में 'अग्नि तीर्थ' और बाएं हाथ के मध्य में 'सोमतीर्थ' तथा सभी अंगुलियों के पोर और जोड़ों में 'ऋषि तीर्थ' होते हैं। इस प्रकार जब हम प्रातःकाल उठकर अपनी हथेलियों के दर्शन करते हैं तो हमें भगवान के साथ-साथ ये तीर्थ भी देखने को मिलते हैं।

हस्त दर्शन कर्मों पर विश्वास का प्रतीक

अगर आप व्यावहारिक नजरिए से देखते हैं तो हम अपना हर एक काम हथेली से ही करते हैं। यदि आप सुबह हथेली के दर्शन करते हैं तो इसका मतलब ये हुआ कि आप अपने कर्मों पर विश्वास करते हैं। अपने कार्यों में सुधार कर आप अपना भविष्य उज्जवल बना सकते हैं। इसके अलावा हाथों में तीर्थ और भगवान का वास होने का अर्थ है कि यदि आप सुबह अपनी हथेली के दर्शन करेंगे तो आप दिनभर में कोई भी गलत काम नहीं करेंगे।

हथेली के दर्शन करने का मलतब को जीवन में कभी भी कोई गलत काम नहीं करना चाहिए। हमेशा अपने हाथों से भगवान को प्रणाम करें और उन्हें अच्छे कामों के लिए इस्तेमाल करें। अगर आप प्रातः काल अपनी हथेली के दर्शन करके दिन की शुरुआत करेंगे तो आपका पूरा दिन अच्छा रह सकता है और आपको सभी दोषों से मुक्ति मिल सकती है।

30 की उम्र के बाद इन चीजों को चेहरे से रखें दूर, वरना हो जायेगी बड़ी परेशानी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 17 अगस्त : बढ़ती उम्र के साथ-साथ हमारी स्किन में भी तेजी से बदलाव सामने आने लगता है। यही वजह है कि हमारे चेहरे से उम्र झलकने लगती है। जिसे छिपाने के लिए लोग कई तरह की एंटी एजिंग क्रीम और ट्रीटमेंट का इस्तेमाल करते हैं। ये बदलाव आज के समय में काफी तेजी से हो रहा है, क्योंकि अब लोगों की लाइफस्टाइल काफी व्यस्त हो गई है। किसी के पास खुद की केयर करने का वक्त ही नहीं बचा।

ऐसे में स्किन से जुड़ी परेशानियों का सामने आना लाजमी है।अगर आप चाहें तो बिना पैसे खर्च किए अपनी स्किन का ध्यान रखकर भी बढ़ती उम्र में जवां दिख सकते हैं। जी हां, अगर आप चाहते हैं तो तीस उम्र के बाद फाइन लाइन, पिगमेंटेशन, अंडर आई डार्क सर्कल जैसी परेशानियां आपसे दूर रहें तो आपको कुछ चीजों से दूरी बनानी पड़ेगी। ऐसा अक्सर देखा जाता है कि लोग अपनी उम्र छिपाने के लिए कई ट्रीटमेंट का इस्तेमाल करते हैं, जिसका असर उल्टा होने लगता है। तो आईए आपको बताते हैं कि आपको तीस की उम्र के बाद किन चीजों से दूर रहना चाहिए। ब्लीच से वैसे भी स्किन के जुड़ी कई परेशानियां सामने आने लगती हैं। ऐसे में अगर आप 30 की उम्र बीतने के बाद भी ब्लीच लगातार कराती रहेंगी तो आपकी त्वचा की इलास्टिसिटी कमजोर हो जाएगी। जिसकी वजह से चेहरे की झुर्रियां बढ़ जाती हैं। तो हो सके तो ब्लीच से दूर रहें। सभी लोग अपने चेहरे से मेकअप हटाने के लिए वाइप्स का इस्तेमाल करते हैं। पर, ऐसा कहा जाता है कि वाइप्स हमारे चेहरे की स्किन को ढीला कर देती है। ऐसे में अगर आप मेकअप हटाना चाहते हैं तो नारियल के तेल का इस्तेमाल करें। इसका पूरा नाम क्लींजिंग, टोनिंग और मॉइश्चराइजिंग है। बढ़ती उम्र में जवां दिखने के लिए आप इसका ध्यान जरूर रखें।

अगर आप इसे स्किप करेंगे तो इससे आपकी त्वचा डल हो जाएगी। ऐसे में इसे अपने रूटीन में लाने का प्रयास करें। गर्मियों के मौसम में जिस सनस्क्रीन का इस्तेमाल आप कर रहें हैं उसके एसपीएफ का खास ध्यान रखें। ऐसा कहा जाता है कि, बढ़ती उम्र के साथ एसपीएफ का नंबर भी बदलता है। अगर सनस्क्रीन आपके उम्र के हिसाब से नहीं है तो इससे दूरी बनाएं।

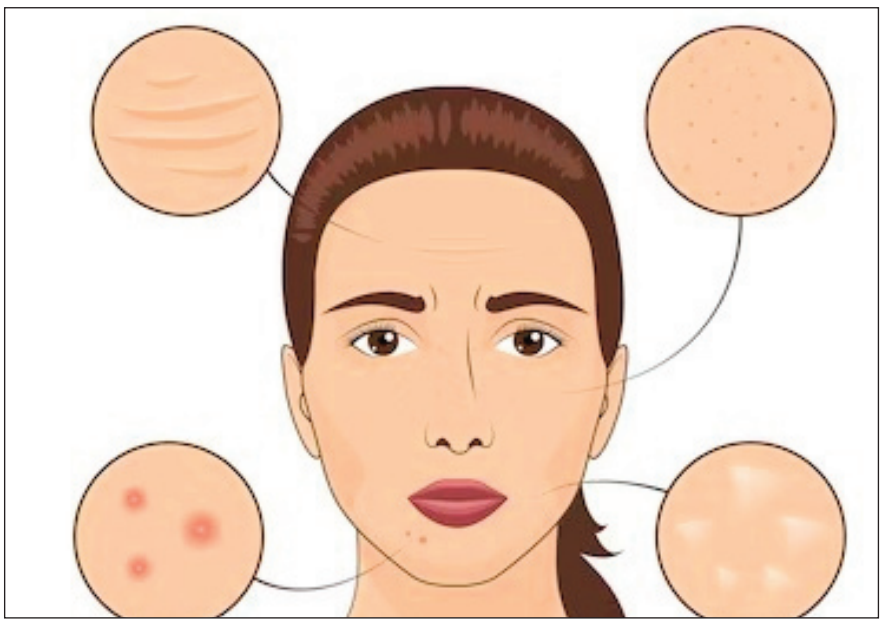

लड़की को धोखा देकर शारीरिक शोषण पर पढ़िए नया कानून

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 17 अगस्त , कभी शादी का झांसा देकर, कभी नौकरी का लालच दिखाकर, कभी प्यार के जाल में फंसाकर तो कभी किसी और बहाने से लड़कियों के साथ शारीरिक संबंध बनाने के कई मामले सामने आते हैं। लड़कियों को अपने जाल में फंसाया जाता है, उनके भरोसे का फायदा उठाकर उनके साथ शारीरिक संबंध बनाए जाते हैं और फिर उन्हें मिलता है सबसे बड़ा धोखा। लड़कियों को धोखा देकर यौन शोषण करने के मामले लगातार बढ़ रहे है और शायद इसलिए सरकार ने इसपर एक सख्त कानून बनाया है। क्या है ये कानून ये जानेंगे, उससे पहले कुछ ऐसे ताजा मामले देख लीजिए जहां पर लड़की को धोखा देकर उनका शारीरिक शोषण किया गया।

लड़कियों को धोखा देकर संबंध बनाए तो बचना मुश्किल

देहरादून में नाम बदलकर किया यौन शोषण

देहरादून के राजपुर थाने में एक पढी लिखी लड़की ने शिकायत दर्ज करवाई। लड़की के प्राइवेट कंपनी में जॉब करती है। कुछ समय पहले उसकी मुलाकात एक लड़के से हुई। लड़के ने अपना नाम रौनित भल्ला बताया और खुद को एक प्रॉपर्टी डीलर बताया। दोनों के बीच दोस्ती हुई, प्यार हुआ, शारीरिक संबंध बने, लेकिन बाद में लड़की को पता चला कि लड़के का असली नाम फैजल मलिक तो उसके पैरों तले जमीन खिसक गई। फैजल ने इस लड़की से दोस्ती के दौरान 5 लाख रुपये भी ऐंठे लिए। फैजल ने अपनी मां और परिवार के दूसरे लोगों से भी इस लड़की मुलाकात करवाई थी और वो भी खुद को हिंदू बताते रहे। कई महीनों तक ये इस लड़की को गलत पहचान बनाकर धोखा देते रहे और फिर धर्म परिवर्तन करके शादी का दबाव बनाने लगे। अब फैजल मलिक और उसके परिवार के खिलाफ केस दर्ज हो गया है।

नागालैंड की महिला ने यौन शोषण का मामला दर्ज किया

नागालैंड से ताल्लुक रखने वाली एक लड़की ने दो महीने पहले भोपाल में एक लड़के के खिलाफ शिकायत दर्ज करवाई। इस लड़की के आरोप है कि विदिशा का रहने वाला कृष्ण पाल नाम का एक लड़का शादी का झांसा देकर पिछले दो साल से उसके साथ शारीरिक संबंध बना रहा था। जब भी वो शादी की बात करती वो टालता जाता। इस दौरान कृष्णपाल ने उसके जेवर और पैसे ही उससे ले लिए। लड़के की मां भी इस खेल में उसके साथ थी। जब कई बार बोलने के बाद भी लड़के ने शादी नहीं की तो आखिरकार लड़की ने शिकायत दर्ज करवाई।

ग्रेटर नोएडा में नाम बदलकर विधवा महिला का रेप!

ग्रेटर नोएडा वेस्ट में भी एक महिला ने यौन शोषण का मामला दर्ज करवाया। इस महिला ने एक जिम ट्रेनर के खिलाफ नाम बदलकर उसके साथ दोस्ती करने और फिर उसकी अश्लील सीडी बनाने के आरोप लगाए हैं। आरोपी का नाम हारुन खाने है, लेकिन महिला के मुताबिक वो हिंदू बनकर उससे मिला था। उसकी अश्लील सीडी बनाने के बाद हारुन ने ब्लैकमेल करके उससे 15 लाख भी ऐंठ लिए।

नए कानून से लव जिहाद मामलों पर लगेगा अंकुश

नाम बदलकर धोखा देना और फिर शारीरिक संबंध बनाने जैसे मामले पिछले कुछ समय में काफी ज्यादा बढ़े है। खासकर लव जिहाद के मामलों में काफी इजाफा हुआ है। लव जिहाद यानी खुद को दूसरा धर्म का बताकर लड़की से दोस्ती करना, गलत नाम बताना और फिर उसके साथ यौन शोषण करना। इस तरह के जितने भी केस अब तक दर्ज होते थे उनके लिए कोई कानून नहीं था। साधारण क्राइम की तरह ही उन मामलों को दर्ज किया जाता था, लेकिन अब नए प्रावधान के तहत ऐसे मामलों के लिए एक अलग कानून है।

नए कानून में है 10 साल की सजा के प्रावधान!

लोकसभा में पेश इस बिल के तहत महिलाओं की सुरक्षा के लिए कुछ कानून शामिल थे जिनमें से एक ये भी था कि अगर पहचान छुपाकर या धोखा देकर किसी लड़की या महिला के साथ यौन संबंध बनाए जाते हैं तो ये कानून जुर्म होगा और इसके लिए 10 साल की सजा हो सकती है। प्रस्तावित कानून भारतीय न्याय संहिता 2023 के पांचवें हिस्से के सेक्शन 69 में इस तरह के अपराध का जिक्र है।